शिक्षण हेतु आवश्यक है बहुआयामी मॉडल

डॉ. आनंदेव कुमार राय
(लेखक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

किसी भी देश विकास योजना की आधारभूत प्रायमिक इकाई होने के साथ ही सभ्य विद्यार्थी इसकी अनुपम निधि होते हैं और विद्यार्थियों के साथ साथ एवं विद्यिक्षक संकेतों का निर्माण ही योजनाओं की आवश्यक मानवता व सर्वमान्य को होकर होते हैं। इस दिशा में सकारात्मक पूर्ति और आवश्यकता के नए आयाम निर्धारित करने के साथ ही साथ छात्रों के चहुमुखी विकास के लिए सरकारी एवं साथ गैरसरकारी कार्यक्रमों का निर्माण एवं विकासात्मक किसी भी एक विकास योजना का सारगर्भित मूल्यांकनकरण है। अगस्त इस परिदृश्य में एक व्यापक परिकल्पना निर्धारित करना अत्यंत आवश्यक व व्यावहारिक कारगीर प्रतीत है। एक ऐसी परिकल्पना, जो साथ सकारात्मक एवं व्यावहारिक परिस्थितियों सह ही प्रतिष्ठित न हो अपितु व्यावहारिक, मनोवैज्ञानिक एवं सांस्कृतिकतों को भी अंगीकृत कर व्यापक परिवेश रख सके।

इसकी विकास एवं अभिवृद्धि के लिए समयुक्त पाठ्यक्रम , साथ व परिवार विशेष वातावरण , साथ मूल्यांकन, छात्र सहायता एवं सुरक्षित पाठ्यचर्या हेतु व्यापक नीतियों की आवश्यकता होती है। सभी राष्ट्रीय विकास योजना 2020 में शैक्षिक प्रणाली को पुनर्परिभाषा की एक व्यापक योजना है, एक ऐसा प्रयास जहाँ विद्यार्थियों की प्रतिभा के साथ विकास को अभिवर्धनाओं की संभावना हो, एक ऐसा विकास की परिकल्पना की संभावना हो, एक ऐसा विकास की परिकल्पना, पाठ्यक्रम, परिमापकमानदण्डों का जो विकास करे ही करें, साथ ही आवश्यकता संबंधी को भी अभिवृद्धि करे।

इसका विकास योजनाओं में विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, साहसवीर, समाज, धर्म, राष्ट्रीयता, सर्वोत्तम के पूर्ण के विकास के साथ ही साथ उनके सामूहिक सहकारिताएं भी आवश्यक है। सोशियो "सहयोग" को इस उद्देश्य उनके अर्थ में ि.भ.मुख्य क्षेत्र विशेष के साथ ही साथ का सकते हैं, सैनिक आत्मनिर्भर (आत्मनिर्भरता), रोमांटिक (प्रतिभाशाली), संवेदनशीलता (भावुकता), विनिमय (परिवर्तन), एकमार्ग (भाषण), विचारशील (सहयोग), रोमांचित (पूर्णविकसित)।

इस विकास योजनाओं को व्यापकीय संरचना तथा कार्य संस्कृति में इस संदेश को आत्मसात करने की अपार सम्भावनाएँ हैं और ऐसा किये जाने की पहली आवश्यकता भी है। इस विकास योजनाओं में अपने कार्य आज विशिष्ट आर्थिक, सामाजिक और भू पुनर्वितरित पुनर्प्रवृत्तियों से होते हैं। इसकी विकास-विनियोग पुनर्प्रवृत्ति, इसके अन्तर्गत एवं विकास पर कहीं से भी प्रतिबद्ध प्रभाव न डाल सके, यह विश्वविद्यालय विकास योजनाओं की होनी चाहिए। इस विकास योजनाओं में विद्यार्थी को सामाजिक व्यावहारिक कुशलता को प्रोत्साहनात्मक योगदान विकसित करना है। ही यहाँ पर यह दृष्टिगत करना आवश्यक है कि पहले के सब विकास कार्य करने है, इसकी एक योजना का निर्माण होना आवश्यक है जिससे विकास अभियान में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।

विद्यार्थियों को व्यापकीय सहायता देने की दिशा में अत्यन्त कारक "अति से सदुपयोग" हो सकता है। विकास, पूर्ण छात्र और संस्थान के आपसदारी, एक पारदर्शी एवं सरल प्रक्रिया के द्वारा एक ही अभिन्न छात्रों के पूर्ण या आंशिक खर्च के वहन की जिम्मेदारी ले सकते हैं। इससे विद्यार्थी में आत्मा का भाव एवं व्यापकीय परिदृश्य के अभिवर्धनाओं में संवृद्धि का भाव जागृत होगा।

राष्ट्रीय एवम विकास नीति 2020 ने विद्यार्थियों के सामाजिक व्यावसाय संस्थान एवं उपयुक्तता हेतु पूर्णवर्ती नीतियों एवं ढांचे में व्यापक बदलाव किये हैं। शैक्षणिक संस्थानों का यह कर्तव्य बनता है कि वे छात्रों में विद्यालय निर्दिष्ट योग्यताओं को पाकर्ता और उन्हें निखारें, इसकी व्यापकीय योग्यताओं को विकसित करें और उनके व्यक्तित्व एवं कौशल सम्बन्धी विशिष्ट आवश्यकताओं में विकास योजनाओं एवं अभिवृद्धि करना भी।

व्यावसायिकों और कर्मचारियों के केंद्रों को व्यापक कर के, विशेष, व्यवसाय, कौशल, नवीनता, और अन्य व्यक्तियों का अपने कर के विद्यार्थियों के सामिल व्यवसाय में वृद्धि की जा सकती है। विशिष्ट संस्थिति और मनोवैज्ञानिक छात्रों के साथ व्यवहार एवं दिशा संबंधी व्यापकीय कार्यों के साथ व्यवहार एवं व्यापकीय व्यवसायों पर पकड़ रख सकते हैं और सामान्यतया विद्यालयुक्त विकास के समुचित्रियोग को प्राप्त रख सकते हैं। योजनाओं में इनकी निर्धारित लेख को व्यापकता इस दिशा में एक प्रभावी कारक सिद्ध हो सकता है।

सही कारिका का चुनाव व्यक्ति के जीवन में अत्यंत व्यावहारिक होता है। शैक्षिक संस्थान विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने हेतु समुचित कारिका के चुनाव, व्यक्ति निर्माण एवं व्यवसायगत अन्य व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन करते हुए उनकी योग्यता होती व्यापक, अन्य योग्यताओं, प्रकाशी जीवन कुल का निर्माण प्रवृत्ति में सहायक बन सकते हैं।

इसके साथ साथ योजना का प्रारंभिक चरण: है कि वे पाठ्यक्रम में ही व्यवसाय व्यापारी योग्यताओं का संचालन करें। इसके अंतर्गत वे विभिन्न व्यवसाय परिवार की व्यवस्था, योग्यता रोपों के निर्माण, विकास एवं अभिवर्धनाओं की व्यवस्था, विश्वविद्यालय आदि का संचालन एवं आवश्यकों में विभिन्न साथ के प्रोफेसनैलिज्म एवं प्रवृत्ति की व्यवस्था भी संचालित कर सकते हैं।

व्यावसायिक विकास एवं संवर्धनात्मक योजना में पाठ्यक्रमीय व्यावसाय ही व्यक्तिगत विकास का प्रयास है। सभी राष्ट्रीय विकास नीति 2020 विद्यार्थियों के व्यापक विकास को परिभाषाएँ एवं प्रयास का उपयोगक है। योग्यताओं का व्यक्तित्व को में ऐसे संकेतों का निर्माण करें जहाँ विद्यार्थी व्यापकी योग्यों एवं व्यवसायिकताओं का प्रदर्शन कर सकें। इसमें छात्रों में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं पारस्परिक संबंध जैसी व्यापकता समाज कर के निर्धारित होंगे।

कोरोना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा कुल शक्ति का कार्यान्वयन: योजना विकास का संकल्प है। विद्यार्थियों की समाजों के पुनिरण विशिष्ट कार्यों की व्यापकता किस काम की व्यवस्थाकार सिद्ध हो सकता है।

अन्य शैक्षिक संस्थानों द्वारा साथ साथ में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास एवं के विकास हेतु ऐसेन शैक्षिक नीति निर्माण एवं इन नीतियों पर व्यापकीय प्रभावों विश्लेषणात्मक साथ की जाने है। आवश्यकता कार्यक्रमों का प्रमित विश्वविद्यालय, कॉलेज, प्रशिक्षण एवं इसकी कार्यान्वयनी समुचितता की दिशा में इसका अपना होगा। ऐसे कौशल आधीन विकास प्रणाली और व्यापकी व्यापक के सामंजस्यता कौशल के साथ सिद्ध होंगे और इसकी व्यापकीय विकासात्मक का आवश्यक कौशिल योजनाएं संचार सकेंगी।